ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम ***विषय- हिन्दी***

दिनांक-04-01-2021 ***खतरे की घंटी***

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

खतरे की घंटी

आज संसार एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर आ खड़ा है कि कुछ और आगे बढ़ने पर सर्वनाश निश्चित है। दुर्भाग्य की बात तो यह है। कि अब इस मोड़ से उसकी वापसी लगभग असंभव है।

संसार इस मोड़ तक कैसे पहुंचा, इसकी एक लंबी कहानी है और यह प्रारंभ होती है मनुष्य की लिप्सा से, उसकी कभी न मिटने वाली भूख से। इसी भूख ने अपने समय के भीषणतम देवासुर-संग्राम कराये। इसी के कारण राम-रावण और कौरवों-पांडवों के बीच युद्ध हुए। कालांतर में इसी से प्रेरित होकर पाटलिपुत्र के सम्राट बिंबसार ने वैशाली के प्राचीन गणतंत्र का विनाश किया और कुछ समय पश्चात् यूनान का बादशाह सिकंदर विश्व-विजय की कामना के साथ फारस (ईरान), मिस्र

और भारत पर बिजली की तरह टूट पड़ा। इसके बाद रोमनों को इस भूख ने सताया तो उन्होंने सारे यूरोप को और मिस्र को अपने घोड़ों की टापों से रौंद आगे चलकर अरबों ने पूर्व में भारत और पश्चिम में स्पेन तक अपनी तलवारों की चमक से लोगों को आतंकित किया।

क्रमशः

धन्यवाद ।

कुमारी पिंकी 'कुसुम'